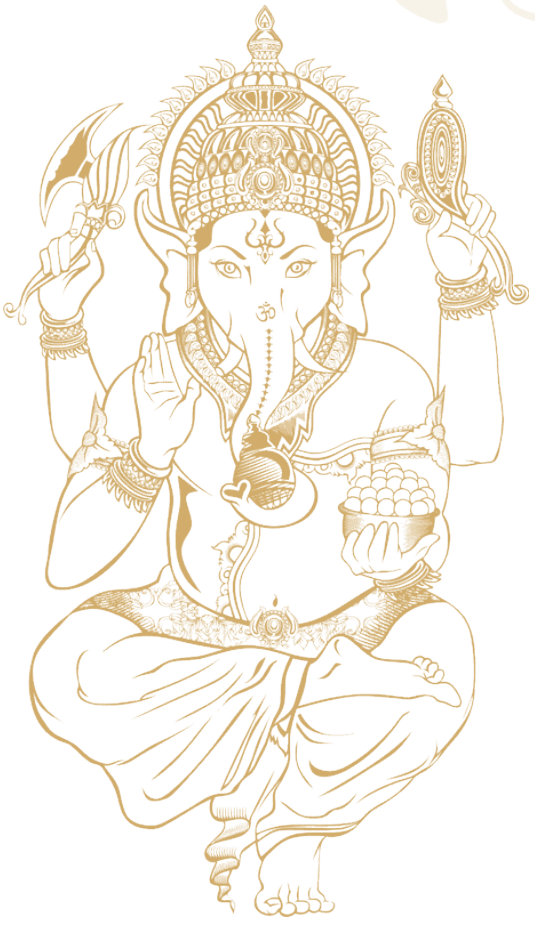

Vinay

Palak

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120992402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16-17/03/2005	जन्म तिथि	17-18/05/2006
बुध-गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 05:07:00	जन्म समय	00:35:00 घंटे
घटी 56:20:49	जन्म समय(घटी)	47:03:40 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:40	सूर्योदय	05:45:32
18:35:47	सूर्यास्त	19:00:21
23:55:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 11मा 5दि	03:23:41	कुंभ	लग्न	मक	24:32:38	सूर्य 4वर्ष 11मा 16दि
राहु	02:33:10	मीन	सूर्य	वृष	02:47:14	मंगल
20/02/2012	23:27:51	वृष	चंद्र	धनु	28:58:36	03/05/2021
20/02/2030	03:21:18	मक	मंगल	मिथु	25:52:22	03/05/2028
राहु 03/11/2014	19:32:31	मीन	बुध	वृष	01:31:06	मंगल 29/09/2021
गुरु 28/03/2017	22:13:50	कन्या व	गुरु व	तुला	18:23:56	राहु 17/10/2022
शनि 02/02/2020	28:58:33	कुंभ	शुक्र	मीन	22:26:57	गुरु 23/09/2023
बुध 22/08/2022	26:29:26	मिथु व	शनि	कर्क	11:59:10	शनि 01/11/2024
केतु 09/09/2023	29:08:53	मीन	राहु व	मीन	08:52:01	बुध 29/10/2025
शुक्र 09/09/2026	29:08:53	कन्या	केतु व	कन्या	08:52:01	केतु 28/03/2026
सूर्य 03/08/2027	13:56:43	कुंभ	हर्ष	कुंभ	20:21:34	शुक्र 28/05/2027
चन्द्र 01/02/2029	22:36:46	मक	नेप	मक	25:51:54	सूर्य 03/10/2027
मंगल 20/02/2030	00:33:31	धनु	प्लूटो व	धनु	02:13:10	चन्द्र 03/05/2028

लग्न-चलित

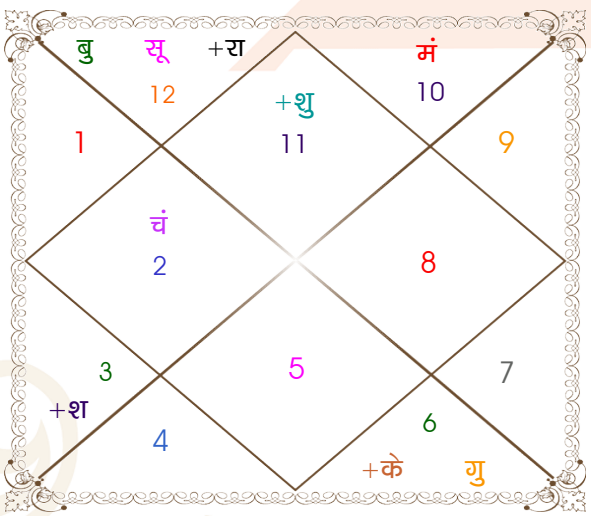

लग्न-चलित

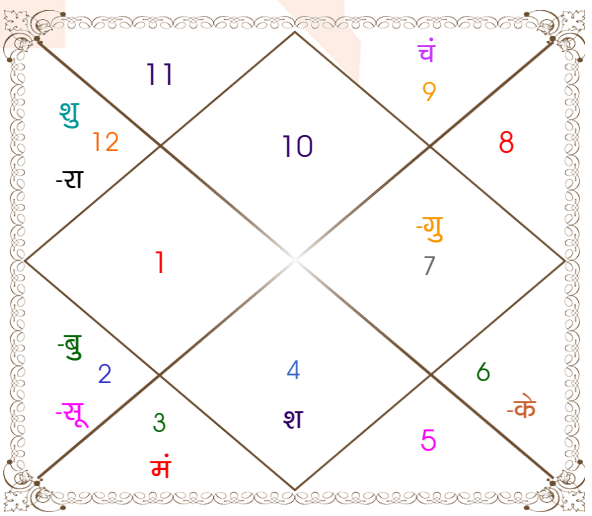

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	नकुल	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

टपदंल का वर्ग मृग है तथा च्ंसां का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपदंल और च्ंसां का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

टपदंल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल टपदंल कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्ंसां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्ंसां कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपदंल तथा च्ंसां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।